

इलाहाबाद उच्च न्यायालय

रिट - बी संख्या - 5091/2025

राज कुमार

.....याचिकाकर्ता

बनाम

उत्तर प्रदेश राज्य एवं 9 अन्य

.....प्रत्यार्थी

याचिकाकर्ता के अधिवक्ता: प्रवीण कुमार सिंह, राहुल कुमार त्यागी

प्रत्यार्थी के अधिवक्ता: अपर शासकीय अधिवक्ता

न्यायालय संख्या - 54

माननीय दिनेश पाठक, न्यायमूर्ति

1. याचिकाकर्ता के विद्वान अधिवक्ता और राज्य-प्रत्यार्थियों की ओर से विद्वान स्थायी अधिवक्ता को सुना गया।
2. वर्तमान रिट याचिका अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित राहत की मांग करते हुए दायर की गई है:-

"i. एक उपयुक्त रिट, आदेश या निर्देश जारी करें जिसमें प्रत्यार्थी संख्या-2 को पुनरीक्षण संख्या-1327/2016, कंप्यूटर वाद संख्या- 201654143600001327 बलिराज एवं अन्य बनाम गाँव सभा वजीरपुर एवं अन्य, जो 1970 के दशक में यू.पी. जोत चकबंदी अधिनियम, 1953 की धारा 9 ए(2) के तहत कार्यवाही से उत्पन्न है, को तय करने का निर्देश दिया जाए।"

3. विद्वान स्थायी अधिवक्ता को इस बात पर कोई आपत्ति नहीं है, यदि उपरोक्त मामले के शीघ्र निस्तारण के लिए निर्देश जारी किया जाता है।
4. इस परिप्रेक्ष्य में, जैसा कि ऊपर बताया गया है, इस मामले को लंबित रखने का कोई उपयोगी उद्देश्य सिद्ध नहीं होगा, इसलिए, यह न्यायालय वर्तमान रिट याचिका में उल्लिखित मामले के गुण-दोष पर कोई टिप्पणी किए बिना, वर्तमान रिट याचिका को अंतिम रूप से निस्तारित करना उचित समझता है। साथ ही उप संचालक चकबंदी (प्रत्यार्थी संख्या 2), जिनके समक्ष उपरोक्त मामला निस्तारण हेतु लंबित है, को निर्देश दिया जाता है कि वे इस आदेश की प्रमाणित प्रति प्राप्त होने की तिथि से अधिमानतः पाँच महीने की अवधि के भीतर इसे तेजी से तय करें।
5. यह अपेक्षा की जाती है कि इसे कानून के अनुसार, संबंधित पक्षों को सुनवाई का अवसर प्रदान करते हुए और किसी भी पक्ष को अनावश्यक स्थगन दिए बिना, एक तर्कपूर्ण और सुस्पष्ट आदेश द्वारा तय किया जाना चाहिए।
6. उपरोक्त निर्देश के साथ, वर्तमान रिट याचिका निस्तारित की जाती है।

(दिनेश पाठक, न्यायमूर्ति)

प्रियंका